MIC- I:संस्कृत व्याकरण

3 Credits

100 Marks-70+30

उद्देश्य

"मुखं व्याकरणं स्मृतम्"–संस्कृत भाषा की अवगति(समझदारी) विकसित करने हेतु महर्षि पतंजलि ने व्याकरण–शास्त्र को प्रमुख अंग के रूप में विवेचित किया है। वास्तव में, व्याकरण के ज्ञान के विना संस्कृत–वाङ्मय को समझना दुष्कर है। एतन्निमित्त यहाँ व्याकरण के प्रमुख व महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी छात्रों को उपलब्ध कराने के उद्देश से लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर पाठ्यक्रम का प्रारूप प्रस्तुत है–

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
I	संज्ञा प्रकरण	05
II	सन्धि प्रकरण(लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार): स्वर सन्धि, व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि	10
III	शब्द रूपः राम, लता, फल, नदी, वारि, साधु, वधू, मधु, गौ, मातृ, राजन, युष्मद, अस्मद्, तीनों लिगों में–तत्, किम्, सर्व अदस् धातुरूप(पाँच लाकारों में)–लट्, लोट्, लङ् विधिलिंग लृट् भू, गम्, सेव् हृ, लभ्, रम् शीङ्, श्रु, स्था, दृश्	05
IV	अनुवाद–(।) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (।।) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद	05
V	**Tutorial**	05
	Total	30

Reading List

1. शास्त्री, धरानन्द, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, भाग–01, भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी गोविन्द प्रसाद शर्मा चौरवम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
4. रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगम उपलब्धिः–संस्कृत व्याकरण के अध्ययन के उपरान्त छात्र छात्राओं को निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त होगी–

1. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगें।
2. संस्कृत वर्णमाला एवं श्लोकों के शुद्ध उच्चारण का कौशल विकसित होगा।
3. संस्कृत वाक्यों, श्लोकों एवं गद्यों को समझने की सामर्थ्य–शाक्ति विकसित होगी।
4. छात्र/छात्राओं को संस्कृत भाषा में सम्भाषण की कला का ज्ञान प्राप्त होगा।
5. संस्कृत वाक्यों के निर्माण की शुद्ध एवं वैज्ञानिक कला का विकास होगा।

14/6/2023

14/6/23

MIC- II

संस्कृत काव्य

3 Credits

100 Marks-70+30

उद्देश्य

व्यक्तित्व के विकास के लिए काव्य-साहित्य का सेवन नितांत आवश्यक है। शास्त्रों में वर्णित है–

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले।
काव्यामृत रसास्वादः संगमः सज्जनैः सह।।

छात्र छात्राओं के जीवन में काव्य रूपी अमृत का सेवन उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व को परिपक्व व सुदृढ़ बनाने में सहायक है। काव्यों की सूक्तियाँ, रसानुभूति, सौन्दर्यबोध मानव–जीवन को आनन्दित एवं आन्दोलित करने तथा जीवन जीने की कला सिखाने में समर्थ है।साधु–काव्य के सेवन से "सत्यं शिवं एवं सुन्दरम्" का समवेत बोध छात्र/छात्राओं को हो सके–एतदर्थ काव्य का अध्ययन/अध्यापन अपेक्षित है।

Unit	Prescribed Course	No. of lectures
I	भगवद्गीता द्वितीय अध्याय (स्थित प्रज्ञ विवेचन)–श्लोक संख्या–54 से 72 तक	09
II	पूर्वमेघदूतम्–श्लोक संख्या–01 से 20 तक	08
III	नीतिशतकम्–श्लोक संख्या–01 से 20 तक	08
IV	Tutorial	05
	Total	30

Reading List

1. श्रीमद्भगवद्गीता व्याख्याकार–मदनमोहन अगवाल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी, 1994
2. मेघदूतम, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स अशोक राजपथ पटना|
3. जनार्दन शास्त्री, भारविकृत किरातार्जनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. श्रीमद्भगद्गीता–एस० राधाकृष्णन कृत व्याख्या का हिन्दी अनुवाद, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली–, 1969
5. बाबूराम त्रिपाठी(सम्पा.), भर्तृहरि कृत नीतिशतकम् महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1986
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।

अधिगम उपलब्धिः–

- छात्र संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत साहित्य पद्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे

14/06/2023

14/6/23

भाषा की विविध परिभाषाओं से अवगत होंगे और भाषा की उत्पत्ति के संबंध में विभिन्न मतों का परिचय प्राप्त कर बोली आदि का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)
MIC-III: संस्कृत गद्य साहित्य।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	हितोपदेश (अपरीक्षितकारक)	10 Hours
2	पंचतंत्र (मित्रलाभ)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। –
10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. दोनों इकाइयों से तीन–तीन गद्यांश होंगे जिनमें से चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद उत्तरणीय। –
5x4=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दोनों इकाइयों में से क्रमशः दो और तीन प्रश्न, जिनमें से कोई तीन प्रश्न उत्तरणीय। –
10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

6. पंचतन्त्रम् – श्री गुरूप्रसाद शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय, गायघाट, काशी।
7. पंचतन्त्रम् – श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, पटना।

8. हितोपदेश– मोतीलाल बनारसीदास इन्टरनेशनल।
9. अपरिक्षितकारकम्– प्रो0 मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
10. हितोपदेश– प्रो0 बालशास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

छात्रों का चारित्रिक निर्माण होगा। उनका नैतिक विकास होगा। विचारों में परिपक्वता आएगी। संस्कृत भाषा लेखन एवं सम्भाषण में निपुण हो सकेंगे। संस्कृत की मनोहर कथा परम्परा से अवगत होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)

MIC-IV: संस्कृत व्याकरण एवं सम्भाषण कौशल।

Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit=3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत–संभाषण कौशल के क्रमिक सोपान।	10 Hours
2	विभक्त्यर्थ प्रकरण।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. संस्कृत संभाषणोपयोगी प्रसंगों (क्त्वा, ल्यप्, क्तवतु, शतृ शानच् तुमुन्) तथा विभक्ति सूत्रों की व्याख्या। दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। – 5x4=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दोनों इकाइयों से कुल पाँच प्रश्न किए जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। – 10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत स्वयं शिक्षक– दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
3. रचनानुवाकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. व्यवहार साहस्री– संस्कृत भारती, दिल्ली।

5. संभाषण सोपानम्– संस्कृत भारती, दिल्ली।
6. लघुसिद्धान्त कौमुदी– डॉ0 महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

संस्कृत में बोलने की क्षमता विकसित होगी। वाक्यों की संरचना एवं सिद्धता का बोध हो सकेगा। छात्र/छात्राएँ लेखन एवं सम्भाषण कला में प्रवीण हो सकेंगे। व्याकरण बोध से संस्कृत भाषागत समझ विकसित होगी एवं अभिव्यक्ति में सुगमता होगी।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)
MIC-V: संस्कृत नाटक।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1Credit= 3Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)।	10 Hours
2	मालविकाग्निमित्रम् (प्रथम अंक)।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल--30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05--05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड--ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से तीन–तीन श्लोक होंगे, जिनमें से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या करेंगे।
खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. स्वप्नवासवदत्तम्– आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मि'।
2. स्वप्नवासवदत्तम्– प्रो0 मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
3. स्वप्नवासवदत्तम्– जयपाल विद्यालंकार, MLBD.
4. मालविकाग्निमित्र– प्रिंसिपल मोहनदेव पन्त, MLBD.
5. मालविकाग्निमित्रम्– पं0 श्री रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी।

अधिगम:–

संस्कृत के नाट्य साहित्य को पढ़ने की अभिरूचि जागृत होगी। अभिनय कौशल एवं सम्भाषण कला का विकास होगा। अभिनय कौशल एवं सम्भाषण कला का विकास होगा। भास एवं कालिदास के नाट्य साहित्य

को पढ़कर भारतीय संस्कृति एवं कला से परिचित हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)
MIC-VI: संस्कृत काव्यशास्त्र।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	काव्यप्रयोजन, काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्यभेद एवं शब्द शक्तियाँ।	10 Hours
2	अलंकारः– शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष। अर्थालंकार– उपमा, रूपक, उत्पेक्षा, अर्थान्तरन्यास (काव्यदीपिका के अनुसार)।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं चार की व्याख्या करेंगे।
खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

7. काव्यदीपिका– परमेश्वरनन्द शर्मा, MLBD.
8. काव्यात्ममीमांसा– डॉ0 जयमन्त मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।

अधिगमः–

काव्यशास्त्रीय विवेचन कर काव्य की उत्कृष्टता को समझ सकेंगे। काव्य की महत्ता को समझ सकेंगे। काव्य रचना के शास्त्रीय पक्षों का ज्ञान होगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER- VII (Pattern-70+30=100)
MIC-VII: संस्कृत नीतिकाव्य।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	(क) नीतिशतक (आरम्भिक 10 पद्य) (ख) श्रृंगारशतक (आरम्भिक 10 पद्य)।	10 Hours
2	चाणक्य नीति (प्रारम्भिक 20 पद्य)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से तीन–तीन श्लोक (कुल छः) होंगे, जिनमें से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या करेंगे।
खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. चाणक्यनीतिदर्पणः – डॉ0 गुञ्जेश्वरी चौधरी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. चाणक्यनीतिदर्पणः – पं0 रूपनारायण पाण्डेय कविरत्न, तेजकुमार बुकडिपो लिमिटेड, लखनऊ।
3. भर्तृहरि शतकत्रयम्– डॉ0 ददन उपाध्याय, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

4. भर्तृहरिशतकत्रय– डॉ0 चमनलाल गौतम, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5. SATAKATRAYAM- D.S.R KRISHNAMURTI, J.P Publishing House.

अधिगमः–

छात्रों–छात्राओं का नैतिक बोध विकसित होगा। चारित्रिक विकास होगा। संस्कृत सरल संरचना से परिचित होंगे। व्यक्तित्व के निर्माण में इन नीतियों का व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER- VIII (Pattern-70+30=100)
MIC-VIII: संस्कृत साहित्य का इतिहास।
Theory :2 Credits+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वेदों का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय।	10 Hours
2	रामायण और महाभारत का सामान्य परियच।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल छः टिप्पणियॉ होंगे,
जिनमें से किन्हीं चार पर टिप्पणी करनी होगी।
खण्ड–ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं
तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

11. वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय(शारदामन्दिर वाराणसी)।
12. वैदिक साहित्य का इतिहास, पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
13. वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास, प्रो० रामविलास चौधरी, MLBD ।
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि (चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी)।
15. वैदिक साहित्य का इतिहास, गजानन्द मुसलगांवकर, चौखम्बा।
16. A History of Indian Literature, Vol. II, Translated by Subhdra Jha, MLBD.
17. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
18. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
19. संस्कृतसाहित्येतिहासः, आचार्य रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।
20. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

अधिगमः–

पाठ्यक्रम सम्पन्न होने पर छात्र संस्कृत साहित्य के वैदिक एवं लौकिक के प्रमुख पक्षों का सामान्य परिचय प्राप्त कर इसकी महत्ता को समझ सकेंगे। वेदों में निहित ज्ञान–विज्ञान अध्यात्म एवं दर्शन के रहस्यों से

अवगत हो सकेंगे। वैदिक साहित्य के वेदांगों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। वेदों के व्याख्यानरूप ब्राह्मणों, आरण्यकों एवं उपनिषदों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

आदि काव्य रामायण की कथा से चरित्र निर्माण कर सकेंगे। महाभारत के परिचय से दुर्गुणों से निर्वृति एवं सद्गुणों की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER- IX (Pattern-70+30=100)
MIC-IX: श्रीमद्भगवतगीता।
Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	श्रीमद्भगवदगीता का सामान्य परिचय, गीता में प्रतिपादित कर्म, ज्ञान एवं भक्ति मार्ग का सामान्य परिचय।	15 Hours
2	अध्याय–15 (पुरूषोत्तम योग)।	15 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 05–05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। – 5x4=20 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल छः टिप्पणियाँ होंगे,
जिनमें से किन्हीं चार पर टिप्पणी करनी होगी।
खण्ड ग 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
दोनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं
तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

10. श्रीमद्भगवद्गीता–मधुसूदनसरस्वती कृत गूढ़ार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभाभाष्य (हिन्दी) सहित।
11. भगवद्गीता – गीताप्रेस, गोरखपुर।.
12. भगवद्गीता – मदन मोहन अग्रवाल, चौखम्बा, वाराणसी।
13. गीता रहस्य– बालगंगाधर तिलक।
14. गीता प्रवचन– आचार्य विनोबा।
15. गीता (साधक संजीवनी)– रामसुखदास, गीता प्रेस, गोरखपुर।
16. गीता तत्त्व चिन्तामणि– जयदयाल गोयंका, गीताप्रेस, गोरखपु।
17. गीता का अनुशीलन– श्रीलप्रभुपाद, ISCON.
18. सनातनशास्त्रम्– सीताराम ओंकारनाथ दास।

अधिगमः–

गीता के कर्म, भक्ति एवं ज्ञान विषयक अध्यायों के अध्ययन से छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्त्व का सर्वांङ्गीण विकास हो सकेगा। इनके जीवन में असमंजस एवं अन्तर्द्वन्द्व की स्थितियों से निदान प्राप्त कर सकेंगे। उनके जीवन में सम्पूर्ण मानवीय सद्गुणों एवं सत्प्रवृत्तियों का अभ्युदय हो सकेगा। नर से नारायण की यात्रा अर्थात् मनुष्य देह में दैवीय सद्गुणों का विकास सभंव हो सकेगा। गीता अध्ययन का परम फल यह होगा कि भारत के छात्र/छात्राएं भारतबोध, आत्मज्ञान, परमात्म सिद्धि, परमार्थ बोध आदि समस्त सत्प्रवृत्तियों से सम्पृक्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER- X (Pattern-70+30=100)

MIC-X: भारतीय दर्शन।

Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भारतीय दर्शन की उत्पत्ति, उद्देश्य और वर्गीकरण।	10 Hours
2	भारतीय आस्तिक दर्शन का सामान्य अध्ययन।	10 Hours
3	भारतीय नास्तिक दर्शन का सामान्य परिचय।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क । तीनों इकाइयों से कुल 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख । लघु उत्तरीय प्रश्न कुल 04। 5x4–20 अंक।
तीनों इकाइयों से कुल छः प्रश्न होंगे,
जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे।

खण्ड–ग । दीर्घ उत्तरीय प्रश्न कुल 03। – 10x3=30 अंक।
तीनों इकाइयों से कुल 05 प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
2. भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा।
3. भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा।
4. भारतीय दर्शन – पारसनाथ द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
5. भारतीय दर्शन – डॉ0 उमा शंकर शर्मा ऋषि।
6. History of Indian Philosophy- S.N Das Gupta.

अधिगमः–

भारतीय दार्शनिक चिन्तन परम्परा से परिचित हो सकेंगे। भारतीय दर्शन से सुपरिचित होकर छात्र–छात्राएँ एक दार्शनिक बोध प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे। जीवन एवं मरण, जीवात्मा एवं परमात्मा, ब्रह्म एवं माया, जीव–जगत् इत्यादि विषयों का तात्त्विक एवं पारमार्थिक बोध प्राप्त कर सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MDC -I: भारतीय संस्कृति।

Theory : 2Credit+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वर्णाश्रम व्यवस्था, षोडशसंस्कार, पुरूषार्थचतुष्टय।	10 Hours
2	प्राचीनशिक्षण, प्रणाली (गुरूकुलीयशिक्षापरम्परा, ब्रह्मचारी के आवश्यक कर्त्तव्य, गुरुशिष्य परम्परा)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।)
5x4=20 अंक।